डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 12 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 20 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

वाहन चोरी में लिप्त दो आरोपी गिरफ्तार, दो स्कूटी जप्त

रतलाम, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में वाहन चोरी की वारदात को रोकने के लिये पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासों में शनिवार को शहर की स्टेशन रोड पुलिस ने सफलता अर्जित करते हुए वाहन चोरी में लिप्त दो युवको को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी दो स्कूटी भी पुलिस ने जब्त की है। आरोपी इन वाहनों को बेचने की फ़िराक में थे तभी पुलिस ने इन्हे धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर उनके दो साथियो को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के मुताबिक वाहन चोरो को पकड़ने के लिए स्थापित किये गये सुचना तंत्र द्वारा शुक्रवार को सुचना मिली कि दो लडके होमगार्ड कॉलोनी तरफ चोरी की दो स्कुटी बेचने की फिराक मे घुम रहे है। जिनमे से एक लडके का हुलिया रंग साँवला चेहरा गोल, कद लम्बा काली टी शर्ट पहने है जिसके पास ने कलर की स्कुटी MP 43 MH 5485 ... शेष पेज 4 पर

मामला तैलिया तालाब के प्रदूषित होते पानी का...

लापरवाह नपा के अधिकारी..!

अध्यक्ष को लिखना पड़ा कलेक्टर को पत्र, एनजीटी के निर्देशों को घोलकर पी गए नपाधिकारी

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। तैलिया तालाब के पानी में घूल रहे दूषित और प्रदूषित पानी को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर को कलेक्टर को अवगत कराकर कार्रवाई के लिए पत्र लिखना पडा। जबकि, एनजीटी इसको लेकर नगरपालिका को काफी समय पहले निर्देशित कर चुकी है। कहीं न कहीं नपाधिकारियों की लापरवाही तैलिया तालाब के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही है। नपाधिकारियों की अनदेखी इस हद तक पहुंच गई है कि नपाध्यक्ष को तैलिया तालाब को बचाने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखना पडा। जबकि, एनजीटी के निर्देशों का पालन करवाने के लिए नपा के अधिकारियों को कार्यवाही करना थी।

यह थे निर्देश, निकाल लिया रास्ता...

तैलिया तालाब में एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनियों का सीवरेज के साथ उद्योगों से निकलने वाला केमिकल युक्त पानी भी तालाब के अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा हैं। गंदे नाले सीधे तालाब में मिलकर इसे प्रदूषित कर रहे है। जबकि, एनजीटी ने निर्देश दिए थे कि नगर पालिका नालों के मिल रहे पानी और गंदगी को तालाब में मिलने से रोके नहीं तो 5 लाख का जुर्माना हर माह नपा को भुगतना होगा। लेकिन, नपा ने इसका रास्ता निकाल लिया। नपा ने तालाब को गंदगी से मुक्त करने के बजाए करोडों की डीपीआर तैयार कर शासन को भेज दी और इतिश्री कर ली। डीपीआर में भी दो बार बदलाव किया गया। एनजीटी के निर्देश के पालन के लिए नपा ने गेंद शासन के पाले में डाल दी और राशि का इंतजार कर रहे है। जबकि, पूर्व में नालों को डायवर्ड करने की बनी योजना कागजों में ही दफन हो गई।

रहवासी से लेकर उद्योगों की गंदगी प्रदूषित कर रही तालाब...

तालाब किनारे बसी 16 रहवासी कॉलोनियों से निकलने वाला गंदा पानी नालों के रुप में तालाब में पहुंच रहा है तो औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाला पानी भी तालाब को प्रदूषित कर रहा है। लेकिन, नपा को इसके लिए फुर्सत ही नहीं। तालाब दिनों दिन प्रदूषित होता चला जा रहा है और नपा शासन से राशि की मंजूरी की राह देख रही है। स्थानीय स्तर पर नपा ने एक भी प्रयास नहीं किया। इसके लिए एनजीटी से दो बार आदेश हो चुके हैं। तैलिया तालाब के सौंदर्यीकरण से लेकर यहां हर बार प्रयोग तो खूब होते है। लेकिन, इसे प्रदूषण से नहीं बचाया जा रहा है।

सौंदर्यीकरण के लिए करोड़ों खर्च, नाले नहीं किए डायवर्ड...

तैलिया तालाब सौंदर्यीकरण और पिकनिक स्थल के लिए नपा हर बार बडी राशि खर्च कर चुकी है। इसी के समीप दादा-दादी पार्क भी बनाया। नपा सौंदर्यीकरण से लेकर यहां के लिए सबकुछ कर रहे है। लेकिन, तालाब में लगातार बढ रहे प्रदूषण के स्तर को कम नहीं कर पा रही है। तालाब में गंदे पानी मिलने को लेकर जब सीएम हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत हुई थी तो नपा ने जवाब भी दिया कि सीवरेज प्लान लागू होने पर ही तालाब में गंदगी मिलना रुक पाएगी।

एक नाले में ही डाल रहे सारी गंदगी...

मुल्तानपुरा तरफ से आ रहा नाला ही तैलिया तालाब में पानी की आवक का एकमात्र स्रोत है और इसी नाले में मेघदूत नगर, यश नगर, गांधी नगर, कर्मचारी कॉलोनी सहित 16 कॉलोनियों के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र व बायपास की फैक्ट्रीयों का रसायनयुक्त जहरीला पानी डाला जा रहा है, जो सीधे तालाब में पहुंच रहा है। इसी कारण तालाब का पानी प्रदूषित हो रहा है।

प्रोजेक्ट-प्रोजेक्ट और डीपीआर-डीपीआर खेल रहे...

बता दें की आठ वर्ष पहले जिला योजना समिति ने गंदे पानी को तालाब में मिलने से रोकने के लिए 90 लाख रुपए का एक प्रोजेक्ट तैयार कराया। इसमें नवनिर्मित ऑडिटोरियम के यहां से एक नाला शासकीय कन्या महाविद्यालय के पास से होते हुए जिपं के सामने स्थित नाले में डालने की योजना तैयार की गई थी। यह प्रोजेक्ट दिल्ली एम्को को भी भेजा गया था। बाद में करोडों की डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई। इसके बाद फिर से इसमें संशोधन भी किया गया।

हरीश आंजना की मुश्किलें बढ़ी

अब ग्वालियर कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट, प्रेमसुख भी खोल रहा रोज नए राज

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भोपाल ड्रग्स कांड में तस्कर हरीश आंजना की रिमांड खत्म होने के बाद उसे जैल भेज दिया गया है। हालांकि ग्वालियर कोर्ट ने हरीश आंजना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंटी जारी किया है। ग्वालियर जिला न्यायालय की एनडीपीएस कोर्ट ने 1900 किलो डोडा चूरा की तस्करी में रुपयों के लेनदेन के मामले में आरोपित हरीश आंजना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए है। तस्करी के इस मामले में न्यायालय में सुनवाई के दौरान न तो आरोपी और न ही उसके अधिवक्ता पहुंचे। न्यायालय ने कडी नाराजगी जताते हुए आरोपित के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए। हरीश आंजना वर्तमान में भोपाल ड्रग्स के स में भोपाल जैल में बंद है। दरअसल, हरीश आंजना की गिरफ्तारी ग्वालियर में एक ट्रक में पकडे गए 1900 किलो डोडा-चूरा की तस्करी मामले के रुपयों का लेन-देन में हुई थी। जब पुलिस ने आरोपित हरीश को पकडा, तो समर्थकों ने गाडी को घेर लिया और अपहरण की अफवाह उडाई थी। मुश्किल से उसे लेकर ग्वालियर के लिए निकले तो राजनीतिक रसूखदारों ने ग्वालियर पुलिस के अधिकारियों को फोन करके उसे रास्ते से ही छोडने का दबाव डाला था। आरोपित भी रास्ते भर पुलिसकर्मियों को वर्दी उतरवाने की धमकी देता रहा। हाल ही में भोपाल के बगरोदा इलाके में एमडी ड्रग्स बनाने वाली बडी फैक्ट्री पकड में आई, जहां रोजाना 100 करोड से ज्यादा की ड्रग्स बनाई जा रही थी। इस मामले में भी गिरफ्तार हरीश आंजना 26 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में है। इधर प्रेमसुख पाटीदार रिमांड के दौरान एनसीबी के सामने राज उगल रहा है। कई और राज जांच एजेंसियों को पता चले हैं।

भोपाल में पकडे गए 1814 करोड के मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स मामले में अब विदेशी एंगल जुड गया है। एनसीबी ने शुक्रवार को आरोपी प्रेमसुख पाटीदार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने प्रेमसुख को चार दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। एटीएस-एनसीबी के विशेष लोक अभियोजक सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर एनसीबी ने गोदाम से बरामद ड्रग्स मटेरियल कस्टडी में ले लिया है। यह मटेरियल कटारा हिल्स इलाके में भोपाल पुलिस ने बरामद किया था। मटेरियल कस्टडी में लेने एनसीबी ने कोर्ट में अर्जी लगाई थी। अब तक की जांच में सामने आया है प्रेमसुख भी एमडी ड्रग्स का मुख्य सप्लायर है। इस गिरोह के कनेक्शन विदेश से जुडे हैं। इस एंगल पर जांच की जा रही है। समझा जा रहा है इन चार दिनों में कई और गिरफ्तारी हो सकती हैं।

फाईल फोटो

राजस्थान के तीन और लोगों की तलाश...

प्रेमसुख से कई चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है। जांच में यह भी सामने आ चुका है कि प्रेमसुख ने पासपोर्ट अप्लाई किया था, जिसे जांच एजेंसी ने कैंसल कराया है। इस मामले में अब तक 17 लोगों के नाम सामने आ चुके हैं। पूछताछ में प्रेमसुख पाटीदार ने तीन नाम और उगले हैं। यह सभी राजस्थान के बताए गए हैं। तीनों की घेराबंदी के लिए राजस्थान पुलिस को नाम भेज दिए गए हैं। यह तीन कौन हैं, जांच एजेंसी ने यह बाहर नहीं आने दिया है। बताया जा रहा है नाम बाहर आते ही आरोपी पकड से बाहर हो सकते हैं। उधर शोएब लाला और रब नवाज की घेराबंदी के लिए चार टीम पहले से लगी हुई हैं। शोएब, रब नवाज के साथ ओम पाटीदार की तलाश तेज कर दी गई है।

दीपावली के लिए सजकर तैयार बाजार..!

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दीपावली पर्व को लेकर बाजारों की रौनक लगातार बढ रही है। शहर की मुख्य सडको पर सजावट और दीपावली पर खरीदे जाने वाले सामानों की दुकानें सजी हुई हैं। बाजार में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचने लगे हैं। इससे शहर के मुख्य बाजार में रोज जाम की स्थिति भी बन रही है। नवरात्र के बाद से ही बाजार गुलजार है। पुष्य नक्षत्र में भी खूब धन वर्षा की उम्मीद है। इसके साथ ही धनतेरस, रूप चतुर्दशी एवं दीपावली के शुभ मुहूर्त में खरीदी के लिए लोगों द्वारा बुकिंग की जा रही है।

दीपावली को लेकर बाजार में रौनक नजर आने लगी है। बाजार से अच्छी उम्मीदों की आस में व्यापारियों ने पर्याप्त स्टॉफ मंगा रखा है। फेस्टिव सीजन में ऑफर व उपहार के साथ अन्य स्कीम ने बाजार में रौनक बढा दी है। ग्राहक भी इस ओर आकर्षित हो रहे हैं। दशहरा में ऑटोमोबाइल सेक्टर में हुए अच्छे कारोबार के बाद अब दीपावली में सराफा, कपडा, इलेक्ट्रानिक के साथ बर्तन बाजार में भी बेहतर कारोबार की आस है। व्यापारी वर्ग का कहना है कि पांच दिवसीय दीपावली के त्योहार में 80 करोड से ज्यादा के कारोबार की संभावना है। सभी ने इसी उम्मीद से तैयारी भी कर रखी है। व्यापारियों का कहना है कि कोरोना काल के बाद फेस्टिव सीजन में कारोबार अच्छा रहा है। इसे देखते हुए इस वर्ष भी ग्राहकी अच्छी रहेगी। संभावना दीपावली में बताई जा रही है।

ट्रेंड के अनुसार सामग्री चयन, रिटेल की ओर झुकाव...

बदलते हुए ट्रेंड के अनुसार व्यापारियों ने भी अपना पैटर्न बदला है। ग्राहकों की पसंद के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराने वह हर संभव प्रयास में जुटे हैं। ऑनलाइन कारोबार के बढते चलन को देखते हुए रिटेल कारोबारी भी ग्राहकों को लुभा रहे हैं। ग्राहकों को भी देखकर व परख कर सामग्री खरीदी करने में रुचि बढी है।

चमकेगा सराफा व ऑटोमोबाइल सेक्टर...

दीपावली के अवसर पर ऑटोमोबाइल सेक्टर के साथ सराफा बाजार में भी अच्छे कारोबार के आसार है। सराफा व्यापारियों की माने तो त्योहार में 15-20 करोड तक के कारोबार के आसार है। वहीं ऑटोमोबाइल सेक्टर में नवरात्र पर बेहतर कारोबार के बाद 30-35 करोड से ज्यादा के कारोबार की संभावना दीपावली में बताई जा रही है।

एम डी एवं ब्राउन शुगर के साथ एक धराया

रतलाम, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावरा शहर की औ. क्षेत्र पुलिस ने मादक पदार्थो की तस्करी में लिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हज़ारो रु. मूल्य की स्मैक और एमडी ड्रग्स बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस के मुताबिक जावरा औद्योगिक थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक मोटरसायकल एचएफ डिलक्स आरजे 35 एसएम 2119 से आजाद खा पिता बुगदाद शाह निवासी परवलिया का अवैध मादक पदार्थ स्मैक व एमडी ड्रग्स छिपाकर कालूखेडा तरफ से भीमाखेडी फाटक जावरा होते हुए रेल्वे अंडर ब्रिज के पास से होते हुए जावरा चौपाटी तरफ जाने वाला है। सूचना के आधार पर तत्काल टीम रवाना कर मुखबीर के बताये स्थान भीमाखेडी फाटक से आगे ,रेल्वे ब्रिज के निचे थाना औ,क्षेत्र जावर पर नाकाबन्दी की गयी।

कुछ देर बाद सूचना अनुसार एक मोटरसायकल एचएफ डिलक्स क्र आरजे 35 एसएम 2119 आती दिखाई दी जिसको घेराबंदी कर रोका गया। मोटर साइकिल चालक का नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम आजाद खा पिता बुगदाद शाह उम्र 46 साल निवासी परवलिया थाना रिंगनोद का होना बताया। तलाशी लेने पर आजाद खा के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 10.60 ग्राम स्मैक किमती 20,000/- रुपये एवं 22 ग्राम एमडी ड्रग्स किमती 44000 /- रुपये की मिली। जिसे मौके पर जप्ती की कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थाना औ.क्षेत्र.जावरा पर अपराध क्रमांक 616/19.10.24 धारा 8/21,22 एन,डी.पी.एस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी आजाद खां को न्यायालय पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त कर अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोत एवं अन्य आरोपियों के सम्बन्ध मे पुछताछ की जा रही है।

मादक पदार्थ के तस्कर को पकडने में थाना प्रभारी निरीक्षक मुनेन्द्र गौतम,उनि राकेश मेहरा, सउनि जसराज चन्देल, प्र.आर. 52 संजय आंजना, प्र आर 658 हर्षवर्धनसिंह, प्रआर 482 महेन्द्रसिंह चोहान, प्र आर 786 विष्णु चंन्द्रावत, प्र आर 78 हेमन्त लिम्बोदिया, आरक्षक 252 मनोहर एवं आरक्षक 517 दीपराजसिंह,म.आर 1128 कोशल्या धनगर, आर 683 रविन्द्रसिंह राठौर, आर 858 रविन्द्रसिंह चौहान, आर 529 भूपेन्द्रसिंह, थाना औद्यौगिक क्षैत्र जावरा एवं आर 218 विपुल भावसार आदि की भूमिका सराहनीय रही।

मिठाई के डिब्बे से ठगा रहा ग्राहक, नापतौल विभाग गहरी नींद में

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दीपावली के त्योहार में हर कोई मिठाइयां बांट कर अपनी खुशी का इजहार करता है, लेकिन आम आदमी को पता ही नहीं है कि उनके साथ धोखाधडी भी हो रही है। मिठाई बेचने वाले दुकानदार मिठाई के डिब्बे के जरिये उनको चपत लगा रहे हैं। दरअसल दीवाली हो या कोई भी अन्य ऐसा त्योहार हो जिसमें मिठाई बांटी जाती है, इस दौरान मिठाई बेचने वाले दुकानदार मिठाई के साथ ही गत्ते का डिब्बा भी तोल रहे हैं। इधर नापतौल विभाग की कार्रवाई कभी इस मामले में देखने को नहीं मिली है। लोग तो भूल ही गए है कि नाप तौल भी कोई विभाग होता है।

त्योहारी सीजन की आड में मिठाइयों के माप तोल में गडबडी कर ग्राहकों को चूना लगाने का खेल शुरू हो गया है। शहर के मिष्ठान भंडारों में बेहिचक खुलेआम नियमों को ठेंगा दिखाकर मिठाई के साथ डिब्बों को भी तोला जा रहा है। रोजाना सैकडों ग्राहकों की जेब में डाका डालकर कुछ कारोबारी चांदी कूटने में लगे हैं। माप तोल विभाग के अंजान बने होने से इन कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। मिठाई के लिए तैयार गत्ते के डिब्बे का वजन जानबूझ कर 180 से 200 ग्राम तक रखा जाता है। उदाहरण के लिए लोग अगर 200 रुपये किलो वाली मिठाई खरीदते हैं तो एक किलो मिठाई में से 100 ग्राम मिठाई के डिब्बे के वजन के कारण कम हो जाती है। अगर हम 200 रुपये किलो की मिठाई की बात करें तो 100 ग्राम मिठाई 20 रुपये की बन जाती है। इसका मतलब है कि एक दुकानदार मात्र गत्ते के डिब्बे के बदले में ग्राहक से 40 रुपये वसूल रहा है। जबकि इस डिब्बे की कीमत 10 रुपये से अधिक नहीं होती है। मिठाई बेचने वाला दुकानदार 10 रुपये के डिब्बे के बदले में 20 रुपये की मिठाई ग्राहक को कम दे रहा है, जिसके बारे में लोग अंजान हैं।

ग्राहक भी दिखा रहे हैं लापरवाही...

विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते ग्राहक भी कारोबारियों के हाथों लुटने को मजबूर हैं। दीपावली के दौरान बड़े पैमाने पर मिठाईयों की बिक्री का कारोबार होता है। इसी की आड में कारोबारी चालाकी से जनता की जेब काटने का खेल शुरू कर देते हैं। काजू की बर्फी बाजार में 600 से 750 रुपये किलो है। दस ग्राम के डिब्बे के भार को साथ में तोला जाए तो प्रति ग्राहक छह रुपये से अधिक का चूना कारोबारी लगा रहे हैं। कारोबारियों ने बीस ग्राम के फैंसी डिब्बे रखे हैं। यह कारोबारी काजू की बर्फी में 12 से 15 रुपये की चपत ग्राहकों को लगाते हैं।

नियम में सजा का है प्रावधान...

नियम के मुताबिक मिठाई की बिक्री करते समय डिब्बे का वजन अलग रखा जाना चाहिए। गडबडी करने पर भी सजा का प्रावधान है। ऐसा न करने पर आरोपी दुकानदार को मापतोल दंड अधिनियम के तहत 10 हजार से लेकर 50 हजार तक का जुर्माना और छह माह तक की सजा हो सकती है।

कह कर तैयार कराया जाता है 100 ग्राम से ज्यादा वजन का डिब्बा...

त्योहार के दिनों में ही नहीं बल्कि आम दिनों में भी कई दुकानदार 100 ग्राम का डिब्बा कहकर बनवाते हैं। दुकानदार की तरफ से सख्त हिदायत होती है कि उनका बना डिब्बा 100 ग्राम से कम न हो। अगर किसी कारण डिब्बे का वजन कुछ ग्राम कम हो जाता है, तो वजन के हिसाब से उनके रुपये काट लिए जाते हैं। दीवाली के दिनों में तो कभी-कभी यह डिब्बा 120 से 130 ग्राम तक भी बनवाया जाता है।

अस्थाई दुकानदारों ने किया विरोध प्रदर्शन...

दुकान शिफ्ट करने पर नाराज

नीमच, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन ने मुख्य बाजार टैगोर मार्ग पर सजने वाले दीपावली अस्थाई बाजार को मीडिल स्कूल ग्राउंड में शिफ्ट करने का फैसला लिया है। हालांकि, प्रशासन के इस फैसले के बाद अस्थाई दुकानदार काफी नाराज चल रहे हैं। जिसके चलते शनिवार को सभी दुकानदार ने एकत्रित होकर भारत माता चौराहा पर विरोध प्रदर्शन किया।

दुकानदारों के प्रदर्शन की सूचना मिलते ही एसडीएम ममता खेडे, नगर पालिका सीएमओ महेंद्र वशिष्ठसहित अन्य अधिकारी भारत माता चौराहा पहुंचे। जहां अस्थाई दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा- उन्हें दुकानें लगाने के लिए मीडिल स्कूल ग्राउंड में व्यवस्था की है। दीपावली पर्व पर दुकान निर्धारित स्थान पर ही लगेगी। हालांकि, दुकानदार प्रशासन के सुझाव पर सहमत नहीं हुए। मामले की जानकारी लगते ही नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार भी मौके पर पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनकारी दुकानदारों से चर्चा की। इसके बाद विधायक परिहार ने प्रशासनिक अधिकारियों से दुकानदारों की समस्याओं पर बातचीत की। फिर अस्थाई दुकानदारों को टैगोर मार्ग पर दुकान लगाने की अनुमति देने को कहा। फिलहाल मामले को लेकर अधिकारी अभी विचार कर रहे हैं कि क्या निर्णय लिया जाए। गौरतलब है कि पिछले साल भी दीपावली पर अस्थाई दुकानों को लेकर मीडिल स्कूल ग्राउंड में व्यवस्था की गई थी। उस समय भी विधायक के हस्तक्षेप के बाद उसी जगह पर दुकान लगाने की अनुमति दी गई थी। जहां पर वे दुकान लगाने की मांग रहे थे।

विचार-मंथन

सफलता के लिए सबसे जरूरी औजार है धैर्य

जब कोई उथल-पुथल से भरी स्थिति आती है, तब हम यह कभी-कभार सोचते जरूर हैं कि आज आपाधापी की जिंदगी में हमारे भीतर का धैर्य जवाब देने लगा है, लेकिन इसका कारण इसमें छिपा है कि दरअसल, जीवन की गति को हमने बहुत तेज कर दिया है। सफलता के घोड़े को पकड़ने के लिए हम आंखों में पट्टी बांध कर दौड़ रहे हैं। हम यह भी नहीं देख रहे कि उस घोड़े को पकड़ने के योग्य हैं या नहीं। हमारी उसे पकड़ने की दक्षता है भी या नहीं। बस देखादेखी में यह सब हो रहा है, जो कई बार हमारी दुर्गति का कारण भी बन रहा है। समय की रफ्तार को पकड़ लेने की हमारी जिद हमें कहीं का नहीं छोड़ रही है। हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि धैर्यपूर्वक समय की प्रतीक्षा करते हुए कर्म करते रहने से सफलता के फूल खिलते हैं। समय आने पर ही ऋतुओं का आगमन होता है। प्रकृति समय के संयोजन में माहिर है। हम प्रकृति से इस संयोजन की शिक्षा नहीं ले पाते। यह सब हमारी अधीरता के कारण हो रहा है। बचपन से ही माता-पिता हमें यह अधीरता विरासत में देने लगते हैं। माता-पिता चाहते हैं कि बच्चा पैदा होने के कुछ ही समय बाद जल्दी से बोलने लगे, चलने लगे। थोड़े बड़े होने के बाद उसका स्कूल में दाखिला हो जाता है। फिर उसके ऊपर पढ़ने का बोझ लाद दिया जाता है। इस तरह उससे उसके बचपन का आनंद छीन लिया जाता है। यहीं से उसके भीतर धैर्य की कमी दिखाई देने लगती है। दरअसल, उसे सब कुछ जल्दी पा लेने की शिक्षा दी जाती है और वह सब कुछ जल्दी-जल्दी पा लेना चाहता है। यही वजह है कि बड़े होने पर बेहद संवेदनशील अवसरों पर भी उसके भीतर का धैर्य जवाब देने लगता है। इसी वजह से बच्चा जिद्दी भी हो जाता है। प्रतीक्षा और धैर्य जैसे शब्द से वह अपरिचित ही रहता है। वह इसके मायने भी नहीं समझ पाता। माता-पिता हर खुशी देने के प्रयास में बच्चे से बहुत कुछ छीन रहे हैं। हर अवस्था में धैर्य का महत्त्व है। चाहे वह बचपन हो, जवानी हो या फिर बुढ़ापा। धैर्य के धर्म का निर्वहन करने वाला सफलता की सीढ़ियों पर दौड़ने लगता है। आज हमारे आसपास हड़बड़ी और तेज रफ्तार के प्रति दीवानगी में बहुत कुछ छूटता दिख रहा है। मगर हमारे पूर्वजों में गजब का धैर्य था। वे किसी एक बात के लिए घंटों, महीनों की प्रतीक्षा करने में भी निपुण थे। हालांकि वे अपने कर्म के प्रति आश्वस्त रहते थे। उन्हें किसी प्रकार का भ्रम नहीं रहता था। आज हम भ्रम के वशीभूत होकर भ्रमर की तरह भटक रहे हैं। कथाओं में दर्ज है कि हमारे ऋषि-मुनि वर्षों तक धैर्यपूर्वक तप करते थे, तब जाकर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति होती थी। एक संदर्भ की बात करें तो तो भगवान कृष्ण गजब के धैर्यवान थे। अधीरता उन्हें विचलित नहीं कर पाती थी। 'महाभारत' में उनके धैर्य के बारे में पढ़ा जा सकता है। शिशुपाल की एक सौ गालियों और अपमान को वे धैर्यपूर्वक सुनते रहे। इस बीच उन्होंने स्वयं को विचलित नहीं होने दिया। इसी प्रकार भगवान राम धैर्य के जीवंत प्रतिमान थे। उन्होंने माता कैकई द्वारा दिए गए वनवास को धैर्यपूर्वक स्वीकारा। माता-पिता की अवज्ञा नहीं की। उनके प्रति मन में दुर्भावना नहीं पाली। आज हम राम और कृष्ण की भक्ति को लेकर तो बहुत संवेदनशील होते हैं, मगर उनसे उनके गुणों को अंगीकार करने को लेकर उदासीन रहते हैं। धैर्य का गुण हमें जीवन में गंभीरता, जीवट और जिजीविषा जैसे गुणों का सान्निध्य प्रदान कराता है। अगर हमारे भीतर धैर्य नहीं, तो हम इन गुणों का सामीप्य प्राप्त नहीं कर सकते। वर्तमान पीढ़ी के भीतर धैर्य का लोप होता जा रहा है। उनके भीतर सब कुछ बहुत जल्द प्राप्त करने की प्रबल इच्छा है। यह पीढ़ी रातों रात धन-वैभव से समृद्ध होना चाहती है। इस सबके पीछे आज की जीवनशैली का बड़ा हाथ है। आज हम सभी चकाचौंध के पीछे भाग रहे हैं। दूसरे को देखकर हम भी उन्हीं के जैसा हो जाना चाहते हैं। बड़ी गाड़ी, बड़ा बंगला, अकूत संपत्ति सब कुछ हमें चाहिए। भले ही इसके लिए हमें अनीति का सहारा ही क्यों न लेना पड़े। हमें समझना होगा कि सफलता का कोई संक्षिप्त रास्ता नहीं होता। हम किसी लघु मार्ग पर चलकर दीर्घकालीन सफलता के सपने नहीं बुन सकते। यह सब बेईमानी होगी। हमें बचपन से ही अपने बच्चों को यह सब बताना होगा कि धैर्यपूर्वक परिश्रम करके प्राप्त की गई सफलता स्थायी होती है। अगर हमने धैर्य खो दिया तो निश्चित ही हम अनीति के मार्ग पर चलने लगेंगे।

घरेलू राजनीति को साधने के चक्कर में ट्रूडो ने लांघी सीमा

विवेक मिश्रा

कनाडा का यह आरोप है कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ हो सकता है. हालांकि, भारत ने इन आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया है और जोर देकर कहा है कि कनाडा ने अभी तक कोई विश्वसनीय सबूत नहीं दिया है. भारत के दृष्टिकोण से, यदि ऐसा कोई सबूत मौजूद था, तो उसे राजनयिक चैनलों के माध्यम से साझा किया जाना चाहिए था. विशेष रूप से कनाडा की घरेलू राजनीति की नाजुक स्थिति को देखते हुए कनाडा द्वारा सार्वजनिक रूप से किया गया व्यवहार प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मंशा के बारे में गंभीर चिंताएं उत्पन्न करता है. पंजाब में खालिस्तान आंदोलन दशकों पहले खत्म हो गया था, लेकिन इसकी गूंज कनाडा के राजनीतिक हलकों में अभी भी जारी है, जहां सिख समुदाय के कुछ वर्ग अलगाववादी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ा रहे हैं. इससे यह सवाल उठता है- इस मुद्दे को अब क्यों तूल दिया जा रहा है? इसका जवाब संभवतः कनाडा की घरेलू राजनीति में है, जहां ट्रूडो की लिबरल सरकार जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थन पर बहुत अधिक निर्भर है. सिंह खालिस्तानी तत्वों के समर्थक माने जाते हैं और इस मुद्दे पर भारत के मुखर आलोचक रहे हैं. ट्रूडो की अनिश्चित राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, यह सुझाव देना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि भारत के प्रति उनकी सरकार का बढ़ता हुआ विरोधी रुख सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए एनडीपी से समर्थन हासिल करने के उद्देश्य से हो सकता है. मौजूदा कूटनीतिक संकट को समझने के लिए, किसी को कनाडा की राजनीति की स्थिति पर गौर करना चाहिए. 2015 से सत्ता में काबिज ट्रूडो की लिबरल पार्टी संघर्ष कर रही है. उनकी सरकार के पास वर्तमान में संसद में 150 से ज्यादा सीटें हैं और पियरे पोलिएवर के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी से उन्हें बढ़ती चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कंजर्वेटिव लिबरल्स से काफी आगे हैं - 45प्रतिशत से 23प्रतिशत. 2025 में चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में ट्रूडो पर अपनी राजनीतिक स्थिति को स्थिर करने का काफी दबाव है. कनाडा में राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा फोर इज कहे जाने वाले कारणों से ट्रूडो की लोकप्रियता में गिरावट आई है- अप्रवास, सत्ता में बने रहना, पहचान और मुद्रास्फीति. बढ़ती मुद्रास्फीति ने उनकी सरकार की आर्थिक विश्वसनीयता को काफी नुकसान पहुंचाया है. जबकि अनियंत्रित अप्रवास ने कनाडा की बदलती जनसांख्यिकीय संरचना के बारे में चिंताएं पैदा की हैं. एक समय में, कनाडा को अपनी खुले दरवाजे वाली अप्रवास नीति के लिए जाना जाता था, लेकिन वर्तमान राजनीतिक माहौल में इसे अब टिकाऊ नहीं माना जाता है. ट्रूडो द्वारा अंतरराष्ट्रीय विवाद को जन्म देकर इन घरेलू संकटों से ध्यान हटाने का प्रयास, संभवतः उनके राजनीतिक करियर को बचाने का प्रयास है. कनाडा लंबे समय से खालिस्तानी सक्रियता के लिए उपजाऊ जमीन रहा है और वहां सिख प्रवासी काफी राजनीतिक ताकत रखते हैं. इस प्रभाव ने खालिस्तानी तत्वों को कनाडाई समाज के भीतर अपनी स्थिति मजबूत करने, राजनीतिक प्रतिनिधित्व हासिल करने और अपनी अलगाववादी महत्वाकांक्षाओं को मान्यता दिलाने में सक्षम बनाया है. दुखद विडंबना यह है कि खालिस्तान मुद्दा एक बीते युग का अवशेष है, जो पंजाब में युवा सिख आबादी के लिए काफी हद तक अप्रासंगिक है, जो आगे बढ़ चुके हैं. हालांकि, कनाडा में, इस मुद्दे को जीवित रखा गया है, जगमीत सिंह जैसे राजनेताओं ने सिख प्रवासियों से वोट हासिल करने के लिए इस मुद्दे को आगे बढ़ाया है. ट्रूडो की सरकार, इस गतिशीलता से अच्छी तरह वाकिफ है, उसने भारत के साथ रचनात्मक संबंध बनाने की तुलना में घरेलू राजनीतिक विचारों को प्राथमिकता देना चुना है. ऐसा करने में, लिबरल पार्टी ने न केवल द्विपक्षीय संबंधों को खतरे में डाला है, बल्कि इंडो-पैसिफिक में एक महत्वपूर्ण भागीदार को अलग-थलग करने का जोखिम भी उठाया है. इस विवाद के मूल में संप्रभुता का मुद्दा है. भारत, एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में, जिसकी विश्व मंच पर बड़ी भूमिका निभाने की महत्वाकांक्षा है. अपने आंतरिक मामलों में किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगा, खासकर अलगाव के मुद्दे पर. भारत के लिए, कनाडा में खालिस्तानी अलगाववाद को बढ़ावा देना उसकी संप्रभुता पर सीधा हमला माना जाता है. इस मुद्दे पर नई दिल्ली का दृढ़ रुख सिर्फ निज्जर की हत्या के बारे में नहीं है - यह एक स्पष्ट संदेश भेजने के बारे में है कि कोई भी देश, चाहे वह कितना भी दूर क्यों न हो, भारत की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने की कोशिश करने वालों को सुरक्षित पनाह नहीं दे सकता. खालिस्तानी तत्वों को बिना किसी दंड के काम करने की अनुमति देकर कनाडा ने वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति से समझौता किया है. भारत के साथ बिगड़ते संबंधों के दीर्घकालिक परिणाम महत्वपूर्ण होंगे, खासकर तब जब कनाडा तेजी से जटिल होते अंतरराष्ट्रीय माहौल में आगे बढ़ना चाहता है. जबकि घरेलू राजनीति अक्सर किसी देश की विदेश नीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, कनाडा ने इसे एक नए चरम पर पहुंचा दिया है. ट्रूडो के कार्यों ने गंभीर कूटनीतिक दरार पैदा कर दी है, भारत और कनाडा के बीच व्यापार वार्ता रुक गई है और भविष्य में सहयोग की संभावना कम हो गई है. वैश्विक दक्षिण और इंडो-पैसिफिक में एक प्रमुख खिलाड़ी भारत को नाराज करने में कनाडा की गलत गणना अपूरणीय क्षति का कारण बन सकती है. चीन के साथ अपने संबंधों के पहले से ही तनावपूर्ण होने के कारण, कनाडा ने एशिया खो दिया हो सकता है. जबकि ट्रूडो 2025 में चुनावों का सामना कर रहे हैं, सवाल यह नहीं है कि वे जीतेंगे या हारेंगे, बल्कि यह है कि वे अपने देश में आतंक फैलाकर किस तरह की विरासत छोड़ेंगे. भारत-कनाडा संबंधों को हुए नुकसान की भरपाई करना मुश्किल होगा और पिछले कुछ वर्षों में बनी हुई गति अब रुक गई है।

मलेरिया से भी गंभीर है डेंगू का दंश

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भारत सहित दुनिया के देशों में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया के देश डेंगू को लेकर अब गंभीर हो गए हैं। इसका बड़ा कारण है कि दुनिया के 130 देश डेंगू की जद में आ चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस समय 4 अरब लोग डेंगू से प्रभावित हो रहे हैं और 2050 तक यह आंकड़ा पांच अरब को पार कर जाएगा। भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं। भले ही यह माना जाता हो कि डेंगू के कारण मौत की दर बहुत कम है और सामान्यतः डेंगू सामान्य पेरासिटामोल और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार पेय पदार्थ एलोरा ज्यूस आदि लेने से ठीक हो सकता है। हालांकि कोल्ड ड्रिंक की सलाह नहीं दी जाती है। सामान्यतः यह माना जाता है कि डेंगू के कारण तेजी से प्लेटरेट में कमी आती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि प्लेटरेट से भी ज्यादा गंभीर होता है ब्लड प्रेशर में कमी आना है। प्लेटरेट के साथ ही ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखना जरुरी हो जाता है। यह ध्यान रखना अधिक जरुरी हो जाता है कि ब्लड प्रेशर लो नहीं होना चाहिए। डेंगू का असर सीधे लीवर पर पड़ता है और ब्लड के अंतःस्राव की समस्या हो जाती है। जो अपने आप में गंभीर होती है। उल्टी होने से डिहाईड्रेशन की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। दरअसल एक समस्या यह है कि डेंगू का पता भी तीन चार दिन बाद पता चलता है। इसलिए सावधानी सबसे बड़ी जरुरी हो जाती है। खैर सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन अब अधिक गंभीर हो गया है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि इंडोनेसिया में ड्रोन से सर्वे कर मच्छरों के लार्वा की खोज करके नष्ट करने का यह परिणाम रहा है कि डेंगू के मामलों में 70 फीसदी तक कमी आई है। डेंगू से बचाव के लिए डेंगू मच्छर का खात्मा करने वाले एंटीडेंगू मच्छर को दुनिया के करीब 14 देशों में छोड़े जाने का निर्णय किया गया है। वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला में एंटीडेंगू मच्छर का सफल प्रयोग किया जा चुका है और ब्राजील में बड़ा केन्द्र बनाते हुए बोल्वाशिया मच्छर का उत्पादन आरंभ कर दिया गया है। हांलाकि किन किन 14 देशों में एंटी डेंगू मच्छरों को छोड़ा जाएगा यह निर्णय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अभी किया जाना है। पर एक बात साफ हो चुकी है कि डेंगू पर समय रहते रोक अभियान चलाया जाना आवश्यक है। क्योंकि डेंगू अब किसी देश की सीमा में बंधा नहीं रह गया है। देश दुनिया की सरकारों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने डेंगू बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। दरअसल डेंगू की गंभीरता को देखते हुए ही गैर सरकारी वर्ल्ड मास्कीटो प्रोग्राम के तहत एंटीडेंगू मच्छर विकसित किया गया है। 2023 में इंडोनेशिया में इनका प्रयोग किया जा चुका है और इनके प्रभाव से 95 प्रतिशत तक सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। हालांकि 2011 में आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में लगातार चार बरसाती सीजन में एंटीडेंगू मच्छर का प्रयोग किया गया और दावा किया गया कि वहां चार बरसातों में एक भी डेंगू का मामला सामने नहीं आया। इन मच्छर में एक बैक्टिरिया वोल्बाशिया पापीएंटिस डाला गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे बीमारी वाले मच्छरों को वायरस फैलाने से रोकने में सफल होंगे। अब तक के परीक्षणों में यह खरे भी उतरे हैं। डेंगू की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि 16 मई को भारत में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाने लगा है। इस दिवस के आयोजन के माध्यम से लोगों में अवेयरनेस जागृत की जाती है। दरअसल डेंगू एडीज एजिप्टी प्रजाती की मादा मच्छर के कारण तेजी से फैलता है। बरसात के दिनों में यह मच्छर तेजी से फैलता है। जमा पानी और गंदगी आदि में डेंगू मच्छर तेजी से बढ़ते हैं। जुलाई से सितंबर, अक्टूबर तक डेंगू का प्रकोप अधिक रहता है। शुरुआती दो तीन दिन तक तो जांच में पता ही नहीं चलता है। डेंगू में 3 से 7 दिन अधिक गंभीर होते हैं। प्लेटरेट्स में तेजी से गिरावट होती है। हांलाकि डेंगू के कारण मौत तुलनात्मक रुप से कम है पर डेंगू का प्रभाव क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एंटीडेंगू मच्छर शुभ संकेत माने जा सकते हैं। डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश में ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इंदौर में डेंगू मच्छरों को नष्ट करने के लिए ड्रोन के उपयोग का निर्णय किया गया है। देश के अन्य हिस्सों में भी ड्रोन का उपयोग प्रयोग के रुप में किया जाने लगा है। सवाल साफ है कि डेंगू के प्रकोप को चुनौती के रुप में लेते हुए सरकार को ठोस प्रयास करने होंगे।

पाकिस्तान जाने का भारतीय फैसला कितना कारगर

भारत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का सदस्य देश है। चूंकि इस संगठन के सदस्यों का विस्तार यूरेशिया के बड़े भूभाग तक है, इसलिए इसकी बैठकों में होने वाली चर्चा नई दिल्ली के लिए काफी अहमियत रखती है। इसी कारण भारत को इसमें नियमित तौर पर शामिल होना चाहिए। मगर यह तर्क तब बेमानी हो जाता है, जब इसकी बैठक पाकिस्तान में होने वाली हो, जैसा कि अभी 15 और 16 अक्तूबर को इसके शासनाध्यक्षों की बैठक आयोजित थी। आखिरकार, अगस्त 2016 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दक्षेस के गृह/ आंतरिक मामलों के मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के बाद कोई भी वरिष्ठ भारतीय नेता पाकिस्तान नहीं गया है। बहरहाल, आज विदेश मंत्री एस जयशंकर इस बैठक में शामिल होने इस्लामाबाद गए। अहम सवाल यही है कि क्या इससे आपसी रिश्तों में कोई फर्क पड़ेगा? पाकिस्तान किसी भी द्विपक्षीय बैठक के लिए जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की पुनर्बहाली की मांग पर अड़ा हुआ है और पाकिस्तानी हुकूमत भारत विरोधी बयानबाजी मुसलसल किए जा रही है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिया गया भाषण भी उनकी सदनीयत का संकेत नहीं देता। दरअसल, इस्लामाबाद आंतरिक मुश्किलों में इस कदर उलझा हुआ है कि उसके लिए विदेश नीति के मोर्चे पर कोई बड़ी पहल करना मुश्किल है। दिवालिया होने के कगार पर खड़ी उसकी अर्थव्यवस्था को अभी मुद्रा कोष से सात अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज से कुछ राहत मिली है। फिर, वहां राजनीतिक ध्रुवीकरण अपने चरम पर है। ऐसे में, भारतीय विदेश मंत्री की इस यात्रा से द्विपक्षीय मोर्चे पर सकारात्मक विकास की उम्मीद काफी कम है। हालांकि, यह अच्छा है कि नई दिल्ली ने अपने मंत्री को भेजने का फैसला करके अपने लचीले रुख का संकेत दिया है। इससे पाकिस्तानी सत्ता-प्रतिष्ठानों की सार्वजनिक बयानबाजी के पीछे की मंशा को समझने का मौका मिल सकता है। खैर, आपसी बातचीत में हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। पहली, पश्चिमी सीमा पर पसरी अपेक्षाकृत शांति के कारण भारत को संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए, क्योंकि पूरी आशंका है कि पाकिस्तान अपने मौजूदा संकट से ज्यों ही उबरेगा, भारत को सीमा पार के दुस्साहसों का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर, यह कयास भी अगर साकार हुआ कि पाकिस्तान टूट जाएगा, तो भारतीय सीमा पर उथल-पुथल बढ़ सकती है। इसीलिए, हमारे लिए पाकिस्तान एक ऐसी चुनौती है, जिससे कूटनीति सहित तमाम साधनों से हमें निपटना होगा। दूसरी, पिछले कुछ वर्षों से भारत पाकिस्तान के बजाय चीन को मुख्य खतरा मानने लगा है। ऐसा पश्चिमी सीमा पर शांति के कारण हुआ है। इसकी अनिवार्यता और बढ़ती आंतरिक चुनौतियों के मद्देनजर हालात संभालने की पाकिस्तानी महत्वाकांक्षा की वजह से ही 2021 में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष-विराम लागू हुआ था। यह एक संकेत था कि आपसी रिश्तों को पूरी तरह से सामान्य बनाना बेशक मुश्किल हो, पर द्विपक्षीय संबंध अस्थिरता को कम कर सकता है। इसे नजरंदाज नहीं करना चाहिए। तीसरी, उथल-पुथल के लंबे दौर के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों ने एक बार फिर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना भरोसा जताया है। यहां के दल शांति-स्थापना के लिए पाकिस्तान के साथ बातचीत का आह्वान करते रहे हैं। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति में संविधानिक बदलाव का विरोध किया है। उसकी विघटनात्मक कार्रवाइयां यहां के हालात पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। ऐसे में, नई दिल्ली के पास अभी दो विकल्प हैं। पहला, पाकिस्तान पर दबाव बदस्तूर बनाए रखना, मगर इससे पश्चिमी सीमा पर उथल-पुथल बढ़ सकती है। पाकिस्तान आतंकवाद के जरिये जवाबी दबाव बनाने की कोशिश कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-1-4-6

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5392

3	2		8		5		7	
		7						3
	1	5	7					
		2					3	1
	4		3	9	1		5	
1	5					8		
					7	3	4	
8						9		
	3		1		4		6	7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5391

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5392

संकेत: बाएं से दाएं

1. 15 जुलाई 2011 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने पीएसएलवी 17 के जरिए जी सैट-2 ए का यहां से सफल प्रक्षेपण किया (5)
5. महिला, स्त्री, औरत (2)
7. सुपर स्टार सलमान खान की जन्म भूमि मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
8. जिसकी मंद बुद्धि हो (4)
10. कृपा करना, दया करना (4)
12. पुराणानुसार पांचवा लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न हो, लोग, जनता (2)
14. आकृति के अनुसार बनाया गया चित्र (2)
16. चंद्रमा, चांद, कौमुदी, चांदनी (4)
19. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट स्थित देश (2)
21. लूट का माल, संतोष की बात (2)
22. सिकन्दर को अंग्रेजी में यह कहते है (3)
23. पदप्रहार, ठोकर, पदाघात (2)
24. भाई, सहोदर, भ्राता (2)

ऊपर से नीचे

1. महोदय, पुरुषों के नाम के पूर्व लगने वाला आदर सूचक शब्द (3)
2. मिष्ठान बनाकर बेचने वाला व्यवसायी (4)
3. राग, प्रथा, रीति (3)
4. लकड़ी, भूसा आदि बेचने की दुकान (2)
5. किसी वस्तु, प्राणी आदि का बोधक सूचक शब्द (2)
6. [illegible], अनुकूल, [illegible] (4)
9. अनाज को खाकर खोखला व पोला करने वाला एक छोटा कीड़ा (2)
11. गर्व, घमंड, फक्र (2)
13. दीवार में चोरी करने के लिए बनाया गया छेद (3)
14. यह हंगरी देश की राजधानी है (4)
15. कमर में लपेटकर पहनने वाला एक प्रकार का परिधान (4)
17. 7100 द्वीपों वाले पुंज फिलीपींस की यह राजधानी है (3)
20. [illegible] (3)
22. पिता, जनक (संस्कृत) (2)

वर्ग पहेली 591 का हल

जिले में प्रारंभ हुआ भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान

भाजपा जिलाध्यक्ष अटोलिया दलौदा मंडल एवं विधायक डंग सुवासरा मंडल में बने सक्रिय सदस्य

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एंव प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के निर्देशानुसार मंदसौर जिले में भाजपा के कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान विगत 16 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है। 18 अक्टूबर को भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया को दलौदा मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा ने अपने पदाधिकारियों के साथ 100 रुपये की ऑनलाइन रसीद काटकर सक्रिय सदस्यता दिलवाई। इसके बाद भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया ने सुवासरा क्षेत्र के विधायक हरदीप सिंह डंग को भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में सक्रिय सदस्य बनाया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अटोलिया ने विधायक हरदीप सिंह डंग के साथ सुवासरा विधानसभा के पांचों मंडल अध्यक्षों की आवश्यक बैठक ली एवं सक्रिय सदस्यता अभियान के बारे में जानकारी देकर सभी मंडलों में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य बनाने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि मंदसौर जिले में सामान्य सदस्यता अभियान दो चरणों में सम्पन्न हुआ। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एंव कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से लगभग 3 लाख 50 हजार से अधिक ऑनलाइन एंव ऑफलाइन सदस्य बन चुके है। मंदसौर जिले में ऐतिहासिक भाजपा सदस्यता अभियान सम्पन्न होने पर भाजपा प्रदेश की बैठको में भी मंदसौर जिले ने अपनी पीठ थपथपाई है। सामान्य सदस्यता अभियान के बाद अब जिले के सभी 18 मंडलों में सक्रिय सदस्यता अभियान प्रारंभ हो चुका है। सक्रिय सदस्य उन्ही पदाधिकारी एंव कार्यकर्ताओं को बनाया जाएगा, जिन्होने अपनी आईडी से कम से कम 100 सदस्य बनाये है। विदित हो की मध्यप्रदेश में अभी तक 1 करोड 53 लाख से अधिक व्यक्ति भाजपा के ऑनलाइन सदस्य बन चुके है। उक्त जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने बताया कि मंदसौर जिले में सक्रिय सदस्यता अभियान कार्यकर्ताओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की नई ऊर्जा प्रदान करेगा और सक्रिय सदस्यता अभियान में हम प्रदेश में सर्वाधिक सक्रिय सदस्य बनाने में सफल होगें।

दलौदा मंडल में चला विशेष सक्रिय सदस्यता अभियान....

मंडल कार्यालय पर बनाए 50 सक्रिय सदस्य

दलौदा, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन पर्व 2024 सदस्यता अभियान को लेकर 18 तारीख से सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमे 19 तारीख को विशेष सक्रिय सदस्यता अभियान चला जिसको लेकर भाजपा दलौदा मंडल में मंडल कार्यालय पर चाय पर चर्चा के कार्यक्रम के आयोजन के साथ 50 कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य बनाया गया जिन भी कार्यकर्ताओं ने पार्टी द्वारा चलाए गए सदस्यता अभियान में 100 या उससे अधिक पार्टी के प्राथमिक सदस्य बनाए हे उन्हे हो सक्रिय सदस्य बनने की प्राथमिकता दी हे उसी के अनुसार 100 रुपए का पार्टी फंड में नमो एप के माध्यम से डोनेशन करके सक्रिय सदस्य बनाया जा रहा हे सक्रिय सदस्य बनने के लिए कार्यकर्ता द्वारा ऑनलाइन ओर आफलाइन दोनो फार्म भरे जा रहे हे जो जिला सदस्यता अभियान की टोली चेक करके सक्रिय सदस्य की रशीद पहुचाएगा दलौदा मंडल कार्यालय पर मंडल अध्यक्ष विकास सुराना, सदस्यता अभियान टोली के फतेहसिंह आंजना, हेमंत धनोतिया, हरिवल्लभ पाटीदार, घनश्याम बग्गड़, हार्दिक जैन ने मिलकर आज सक्रिय सदस्य बनाए इस अवसर पर चंद्र शेखर मंडलोई, दीपक पोरवाल, कैलाश जैन, नंदकिशोर माली, सुमित सेन, विनोद धनोतिया, दिव्यांश सुराना, कार्तिक पाटीदार, हरिनारायण शर्मा, अजय शर्मा, सौरभ राठी, विजय तातेड, कालू सिंह पंवार, कुलदीप सेन, देवीलाल धनगर, दिनेश पंवार, जितेंद्र शर्मा, विशाल राठौड सहित उपस्थित रहे।

संभाग बनाओ आंदोलन में दिगम्बर जैन समाज के दो संगठन हुए शामिल

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नागरिक मंच के तत्वावधान में चल रहे मंदसौर को संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत प्रतिदिन गांधी चौराहा पर पोस्टकार्ड अभियान के 18वें दिन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सीनियर सिटीजन और हूमड मित्र मंडल के प्रतिनिधि शामिल हुए। मंदसौर को संभाग बनाने के लिए यह आंदोलन विगत 2 अक्टूबर से आरंभ हुआ है जो अनवरत चल रहा है प्रतिदिन यहां सैकडो की संख्या में आमजन और विभिन्न सामाजिक संगठन संस्थाएं और समाजों के प्रतिनिधि सम्मिलित हो रहे हैं और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम मंदसौर को संभाग बनाओ इस मांग का पोस्टकार्ड लिख रहे हैं।

अभियान के 18 दिन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सीनियर सिटीजन के अध्यक्ष महावीर जैन को कोटडिया ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार को मंदसौर जिले की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए स्वत: ही इसे संभाग बनाना चाहिए एक वाजिब मांग के लिए जनता को आंदोलन करना पड रहा है। इस दिशा में जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है उन्हें गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। अभियान में ग्रुप के सचिव दिलीप जैन भोलिया, अजीत जैन बंडी ,ललित दोषी, श्रीमती बाला दोषी, दिनेश दोषी, राजकुमार गोधा, अशोक दोषी ,दीपक भूता, सुधीर जैन, अनिल जैन, कोमलप्रकाश जैन, श्रीमती प्रेमलता जैन, अरविंद मिंडा सराफा, अजीत जैन, अरविंद जैन, बाबूलाल जैन, चंद्रकुमार कियावत, नीरज जैन, रमेश जैन, सीमा जैन, बंटी विनोद सिंघल, सुरेश कागला, राजेंद्र कियावत, विनोद जैन, विनोद गांधी ,नेमीचंद जैन सत्यम कियावत आदि सम्मिलित थे। इसी दिन हूमड मित्र मंडल के भी प्रतिनिधिगण पोस्टकार्ड अभियान में शामिल हुए। इनमें विनोद कुमार मिंडा, सुनील कुमार जैन, विनोद कुमार मेहता, प्रवीण कुमार मिंडा, महिपाल जैन, शैलेंद्र कांतिलाल मिंडा, उज्जवल कुमार मेहता, शशि कुमार, लता मिंडा, सुशील कुमार कियावत, संजय मिंडा अनुकृति मिंडा, जितेंद्र जोशी, अरविंद कुमार मेहता, पदमा मिंडा, मनोरमा कियावत, चंद्रकुमार कियावत, शकुंतला जैन, विद्युत मेहता, अंजू मेहता, निर्मला मिंडा निर्मला मेहता जम्मू मेहता आदि भी शामिल हुए।

महाविद्यालय में युवा उत्सव के दौरान प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. दिनेश चन्द्र गुप्ता ने बताया कि म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार महाविद्यालय में 03 दिवसीय युवा उत्सव 2024-25 के अन्तर्गत दूसरे दिवस विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई । इस अवसर पर माननीय श्री नरेशजी चंदवानी अध्यक्ष स्थानीय प्रबंधन समिति ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

युवा उत्सव अन्तर्गत दिनांक 19 अक्टूबर, 2024 (द्वितीय दिवस) को कोलाज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राधिका बैरागी बी.एस-सी. तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान वर्षा सेन बीएससी द्वितीय वर्ष एवं तृतीय स्थान पर रूचि श्रीवास्तव बीएससी तृतीय वर्ष रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रीतिका शर्मा बी.बी.ए. तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर राधिका बैरागी बी.एस-सी. तृतीय वर्ष एवं तृतीय स्थान पर भाग्यश्री यादव एमएससी प्रथम सेम रही। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्पित परमार बीए तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर लक्ष्मी मेहरू बी.एस-सी प्रथम वर्ष तृतीय स्थान पर गौरव प्रतापसिंह बैस बी.एससी तृतीय वर्ष रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता - पक्ष में - प्रथम स्थान

अर्पित परमार बीए तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर रिंकेश बामनिया बीएस-सी प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान पर सानिया मंसूरी बीएस-सी प्रथम वर्ष रही। विपक्ष में - प्रथम स्थान रविराज शर्मा बीएस-सी तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर धीरज प्रजापत बीए तृतीय वर्ष एवं तृतीय स्थान पर यतीश मीणा बीएस-सी प्रथम वर्ष रहे। प्रश्न मंच (सामान्य ज्ञान) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राची सोनी एमएससी तृतीय सेम, द्वितीय स्थान पर कृष्णकांत जैन एमएस-सी तृतीय सेम एवं तृतीय स्थान पर हेमकुंवर बी.एससी तृतीय वर्ष रही। मुकाभिनय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्पित परमार बीए तृतीय वर्ष, रविराज शर्मा बीएस-सी तृतीय वर्ष, धीरज प्रजापत बीए तृतीय वर्ष, देवांश बीए द्वितीय वर्ष, पायल बी.ए. तृतीय वर्ष, दूसरे स्थान पर रविराज शर्मा बीएस-सी तृतीय वर्ष, धीरज प्रजापत बीए तृतीय वर्ष रहे।

युवा उत्सव की संयोजक डॉ. विनीता कुलश्रेष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 21 अक्टूबर 2024 (अंतिम दिवस) को एकल गायन (पाश्चात्य), समूह गायन (पाश्चात्य), एकल गायन (शास्त्रीय), समूह गायन (भारतीय), सुगम गायन, एकल नृत्य, समूह नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी । इस अवसर पर विद्यार्थियों को अधिकाधिक संख्या में युवा उत्सव में उत्साहपूर्वक सम्मिलित होने का आव्हान किया है।

गणेश शर्मा को दी श्रद्धांजलि

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड मध्य प्रदेश के राज्य मुख्यालय मंदसौर पर मध्य प्रदेश राज्य के सचिव रहे श्री गणेश शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लम्बी बीमारी के बाद शुक्रवार को उनका रतलाम के डाक्टर लक्ष्मीनारायण पांडे मेडिकल कालेज के अस्पताल में उनका निधन हो गया।

राज्य मुख्यालय मंदसौर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हिंदुस्तान स्काउट गाइड के राज्य आयुक्त (मुख्यालय) डॉक्टर क्षितिज पुरोहित ने श्री गणेश शर्मा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक बहुत ही मेहनती, समर्पित और कार्य के प्रति निष्ठा रखने वाला व्यक्ति संगठन ने खो दिया है जो मध्य प्रदेश हिंदुस्तान स्काउट एवं गाइड के लिए बहुत बड़ी क्षति है। रतलाम निवासी श्री गणेश शर्मा मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे और एक बार में वे जिसके भी संपर्क में आते थे उसको अपना बना लेते थे। उनके व्यक्तित्व की इसी विशेषता के कारण आज पूरे मध्यप्रदेश में हिंदुस्तान स्काउट गाइड से जुड़ा हुआ हर व्यक्ति गणेश शर्मा जी के असामयिक निधन को अपनी निजि क्षति के रुप में महसूस कर रहा है। डॉ पुरोहित ने कहा कि वह मध्य प्रदेश के स्काउट एंड गाईड रत्न थे और भारत के माननीय राष्ट्रपति जी से सम्मानित किये गए थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन स्काउट एवं गाइड के बच्चों को तैयार करने, उनके प्रशिक्षण तथा स्वावलंबी देशभक्त नागरिक बनाने हेतु समर्पित कर दिया। हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति श्री गणेश शर्मा के परिवार को प्रदान करें। इस अवसर पर विजय सिंह पुरावत ने कहा कि हमारे बीच से एक योग्य और होनहार अधिकारी जो दिन रात हिंदुस्तान स्काउट बच्चों के हित के लिए सदैव चिंतित रहते थे और उन्हीं के उद्देश्यों को लेकर सदैव सक्रिय रहते थे ऐसे अधिकारी का जाना हिंदुस्तान स्काउट गाइड के लिए बहुत बड़ी शक्ति है। इस श्रद्धांजलि सभा में समस्त स्काउट गाइड एवं स्काउट मास्टर उपस्थित रहे।

संकुलश: दायित्व बोध शिविर का आयोजन हुआ

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर मंदसौर में संकुलश: दायित्व बोध शिविर का आयोजन किया गया जिसमें केशव नगर, अभिनंदन नगर, सीबीएसई एवं आवासीय विद्यालय से बाल भारती, किशोर भारती, तरूण भारती एवं कन्या भारती के दायित्व वान भैया बहनों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि सरस्वती शैक्षणिक विहार मंदसौर के प्रबंधक श्री सुनील जी शर्मा, प्रोफेसर राजेंद्र सिंह शिक्षण समिति की सदस्या श्रीमती पायल जी कियावत, केशव नगर विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष जी यादव मंचासिन रहे। साथ ही अभिनन्दन नगर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुकेश जी पाठक भैया/बहिनों के साथ आए संरक्षक आचार्य भैया/बहिन उपस्थित रहे। अतिथि परिचय केशव नगर के प्रधानाचार्य श्री राजपालसिंह सिसोदिया एवं स्वागत तरूण भारती के अध्यक्ष भैया रवि अहिरवार एवं कन्या भारती की अध्यक्ष बहिन पायल माली ने किया। श्री सुनील जी शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भैया बहनों को पहले स्व अनुशासन का पालन करना तथा बाद में अन्य भैया बहनों से पालन करवाना है। द्वितीय सत्र में आवासीय विद्यालय के प्राचार्य श्री महेश जी वफ्ता उपस्थित रहे। अभिनंदन नगर के प्रधानाचार्य श्री मुकेश जी पाठक द्वारा अनुशासन एवं कर्तव्य पालन विषय पर बताया गया कि आपको दायित्व दिया गया है अर्थात आप में नेतृत्व की क्षमता है जिसे आपको विकसित करना है आपको अपने निर्णय कौशल को विकसित करना है। तृतीय सत्र भैया बहनों ने समूह में प्रावीण्यता प्राप्ति हेतु हमारे क्या प्रयास है विषय पर चर्चा की गई एवं उसका प्रस्तुतिकरण किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. राजेन्द्रसिंह शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्रकुमार जी साहोनी, मंदसौर विभाग के विभाग समन्वयक श्री राघवेन्द्र जी देराश्री एवं अभिभावक श्रीमती ममता व्यास मचासीन रहे। कार्यक्रम का वृत्त केशव नगर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने प्रस्तुत किया।

सायकल वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

मनासा, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। टामोटी गांव में आज एक विशेष सायकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के विधायक श्री माधव मारू ने लगभग 80 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की। इस अवसर पर विधायक ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि वे कड़ी मेहनत करेंगे, तो सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी।

विधायक ने यह भी बताया कि प्रदेश सरकार ग्रामीण शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए अनेक योजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, 'आप सभी इस देश का भविष्य हो। शिक्षा पर ध्यान देकर आप उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हो।' सरकार द्वारा छात्रों को साइकिल दी गई ताकि वे दूरदराज के गांवों से आसानी से स्कूल आ-जा सकें और उनकी शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रह सके। इसके साथ ही, विधायक ने गांव में एक नई और भव्य स्कूल इमारत के निर्माण हो रहा है।जो शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम होगा। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मदन रावत, विधानसभा प्रभारी नरेंद्र मालवीय, बीईओ जवेरिया सा और विभिन्न सरपंच गण मौजूद रहे। स्कूल के स्टाफ ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया।

आज करवा चौथ

शादीशुदा मर्दों
आज का निष्कर्ष
वैवाहिक जीवन का
समाप्त हुआ वर्ष।
पत्नी को दे उपहार
पानी पिला दीजिये
चन्द्रमा समक्ष छलनी
परीक्षण करा लिजिए।
नवीनीकरण करें
उम्र, हो जायेंगे फोत
मौका जाने न दे
आज करवा चौथ।

नन्दकिशोर राठौर, मन्दसौर

बीबीए विभाग द्वारा इंडक्शन प्रोग्राम सम्पन्न

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर में बीबीए विभाग द्वारा इन्डक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने अपने उद्बोधन छात्राओं को मितव्ययिता के बारे में समझाया।

वरिष्ठ प्राध्यापक डा.पी.एल.पाटीदार ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास के संदर्भ में उद्बोधन दिया और उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी। डा.उमा गगरानी प्राध्यापक हिन्दी द्वारा सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान की महत्वत्ता को भी समझाया। बीबीए विभाग के प्राध्यापक श्रीमती दीपिका कश्यप, सुश्री अंजली तिवारी के निर्देशन में कार्यक्रम का संयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर रांगोली, पोस्टर्स सजावट का कार्य बीबीए की पम्मीजटिया, प्रियांशीखिमेसरा,साधना, टीशानाहर, नंदनी, सोनू, संस्कृतिमुरडिया, दितिक्षा कुंवर, रिया, प्रांजल, मनीषा, आयुशी कुमावत एवं समस्तछात्राओंद्वारा किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्वलन कर किया गया। उपस्थित अतिथियों को बेज एवं पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। इसी कडी मे नवप्रवेशित छात्राओं कुमकुम तिलक एवं पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर बीबीए प्रथम वर्ष की छात्रा कु. रिद्धी लालवानी द्वारा गणेश वन्दना प्रस्तुत की गई। बीबीए की छात्राओं कु.सना अन्सारी, कु.भूमिका पाटीदार एव कु. अक्षिता तिवारी द्वारा अपने अनुभव साझा कियें। बीबीए प्रथम वर्ष की छात्रा कु. लवली धाकड द्वारा कविता प्रस्तुत की गई। संचालन छात्रा कु. ओजस्वी आचार्य एवं कु. अदिति चनाल बीबीए तृतीय वर्ष के द्वारा किया गया एवं आभार कु. आयुषी डबकरा बीबीए द्वितीय वर्ष ने माना।

महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल में सर्वाइकल कैंसर पर सेमिनार सम्पन्न

बाल अपराध रोकथाम एवं पाक्सो एक्ट से संबंधित कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदसौर में शुक्रवार को इनरव्हील क्लब मंदसौर दशपुर के द्वारा सर्वाइकल कैंसर विषय पर एक सेमिनार, श्रीमती मोनिका वरुण द्वारा महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर द्वारा कानूनी जागरूकता संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

प्रात: 9.15 पर सर्वाइकल कैंसर विषय पर एक सेमिनार का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य के.सी. सोलंकी, इनरव्हील क्लब अध्यक्षा मेघा पोरवाल, सचिव सोनम मेहता तथा सेमिनार के प्रमुख मार्गदर्शक डॉ. सिद्धार्थ मेहता के द्वारा किया गया। शिवानी पोरवाल ने डॉ. सिद्धार्थ मेहता का परिचय दिया। अतिथि स्वागत स्वागत मेघा पोरवाल, राखी परवार व रीना पोरवाल ने किया। स्वागत उद्बोधन प्राचार्य के सी सोलंकी ने देते हुए क्लब अध्यक्षा को धन्यवाद दिया कि छात्राओं के लिए आपने सर्वाइकल कैंसर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के लिए कार्यक्रम का आयोजन करने में सहभागिता की। डॉ. सिद्धार्थ मेहता ने सर्वाइकल कैंसर से संबंधित, स्तन कैंसर, बच्चेदानी यूट्रस कैंसर एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां एवं कैंसर से बचने के उपाय बताये। अगले कार्यक्रम में प्रात 10.30 पर श्रीमती मोनिका वरुण ने विद्यालय की छात्राओं को बाल विवाह , बाल मजदूरी ,बालिका अपहरण, जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया एवं सुरक्षित और सजग रहने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री के सी सोलंकी ने भी छात्राओं को सतर्क रहने की समझे दी और हमेशा निडर रहने की सलाह दी। शिक्षक कुंदन सांखला ने जागरूक रहकर छात्रों को बाल अपराध और विभिन्न अपराधों से किस प्रकार सुरक्षित रहा जा सकता है इसके लिए प्रेरित किया और छात्राओं को कभी नहीं डरना चाहिए अपनी बात निडरता से कहने के लिए साहस से काम लेने पर बल दिया । प्रात: 11.30 पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के जिला न्यायाधीश सचिव सम्माननीय श्री सिद्धार्थ तिवारी ने कानूनी जागरूकता पाक्सो एक्ट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी और संविधान के महत्व को बताते हुए संविधान के भाग 3 के आर्टिकल 14 ,जो कि यौन अपराध से सुरक्षा एवं लड़के और लड़कियों के साथ यौन अपराध मोबाइल से अपराध और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की और कहा कि कभी किसी के साथ इस प्रकार का अपराध हो तो ,उसे अपराधी के विरुद्ध शिकायत करना चाहिए। इस अवसर पर विधिक सेवा प्राधिकरण से श्रीमती सलमा शेख, श्री हिम्मत सिंह और विद्यालय से श्री हामिद खान जेदी, श्री राजेश रत्नावत, श्री गोपाल सुनार्थी, श्रीमती जया सोनी, श्रीमती रचना आर्य, श्री सुरेश बोराना, श्रीमती आशा शर्मा, श्रीमती प्रतिभा भटनागर आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री कुंदन सांखला ने किया ,आभार श्री हामिद खान जैदी ने माना।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	466	1960	2660
उडद	86	6200	6980
सोयाबीन	5500	3800	4620
गैहु	2584	2550	3050
चना	213	6250	6981
मसुर	106	5800	6400
धनिया	285	5175	6721
लहसुन	1500	11581	31000
मैथी	795	4911	6381
मुंगफली	5500	3500	5608
अलसी	1420	5500	6170
सरसो	219	5220	5783
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	76	8500	12950
प्याज	3660	1850	4101
कलोंजी	21	9700	18367
तुलसी बीज	8	16900	22052
डॉलर	14	6500	11001
तिल्ली	35	8511	12141
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	13	6100	6900
असालीया	20	11801	12520
मूंग	0000	0000	0000

राज्य सरकार बनाने जा रही है आकर्षक फार्मा पॉलिसी-मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश 160 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है दवाएं

नीमच, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में केमिकल, फार्मा, पेट्रो-केमिकल और प्लास्टिक जैसे उद्योगों के लिए बेहतरीन इको-सिस्टम विद्यमान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बीना में भारत पेट्रोलियम की 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की पेट्रो-केमिकल परियोजना का भूमि-पूजन किया गया, जिसका कार्य आरंभ हो गया है। प्रदेश में 35 हजार करोड़ की गेल इंडिया की वृहद पेट्रो-केमिकल परियोजना का काम तेजी से जारी है, इससे 25 हजार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। प्रदेश में केमिकल और पेट्रो-केमिकल क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां कार्यरत हैं। प्रदेश में 275 फार्मा यूनिट्स स्थापित हैं, जिनसे 160 से अधिक देशों को दवाएं निर्यात हो रही हैं। दवा निर्यात में मध्यप्रदेश का देश में चौथा स्थान है। वर्ष 2023-24 में 11 हजार 889 करोड़ रुपये के फार्मा प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट हुआ है। इस क्षेत्र में और अधिक निवेश आकर्षित करने तथा गतिविधियों को विस्तार देने के लिए राज्य सरकार आकर्षक फार्मा पॉलिसी बनाने जा रही है। हम एक फ्यूचर रेडी स्टेट हैं, रसायन और उर्वरक के क्षेत्र में राज्य सरकार के प्रयास, आने वाले समय में विकास की नई कहानी लिखने वाले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुंबई में इंडिया केम- 2024 के 13वें संस्करण को संबोधित कर रहे थे।

केमिकल एंड पेट्रो-केमिकल स्ट्रेटजीज पर 'नॉलेज पेपर' का विमोचन–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन व उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा के साथ 'इंडिया केम-2024 एडवांटेज भारत : इंडियन केमिकल्स एंड पेट्रो-केमिकल्स पेविंग द फ्यूचर' के 13वें द्वि-वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण एवं रसायन-उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र रजनीकांत पटेल, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी सहित फिक्की के पदाधिकारी और विभिन्न उद्योग समूहों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कैटालाइजिंग इंडिया ऑन केमिकल एंड पेट्रो-केमिकल स्ट्रेटजीज फॉर ग्लोबल इंटीग्रेशन एंड ग्रोथ विषय पर फिक्की और अर्नेस्ट एंड यंग द्वारा तैयार 'नॉलेज पेपर' के विमोचन में शामिल हुए।

मध्यप्रदेश, औद्योगिक गतिविधियों और निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रयासरत–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर है। भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से बढ़कर 5वें पायदान पर आया है। मध्यप्रदेश, औद्योगिक गतिविधियों और निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में वर्तमान में 250 फार्मेसी और 35 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। केमिकल पेट्रो-केमिकल उद्योग के लिए प्रदेश में आवश्यक अधोसंरचना तैयार है। रायसेन जिले के तामोट, ग्वालियर के बिलोवा में प्लास्टिक पार्क तथा रतलाम में वृहद फार्मा बायोटेक केमिकल जोन का विकास हो रहा है। झाबुआ में मेघनगर के औद्योगिक क्षेत्र में केमिकल उद्योग के लिए आधुनिक अधोसंरचना, धार के पास बदनावर में पीएम मित्रा पार्क और भोपाल तथा ग्वालियर में केंद्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान सीपेट की शाखाएं स्थापित की गई हैं।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योग समूहों ने निवेश के लिए की पहल–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिकीकरण तथा निवेश के क्षेत्र में केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन आरंभ किया गया है। अब तक उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर और सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हो चुकी हैं। अगली इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शीघ्र ही रीवा में होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी प्रकार के उद्योगों के लिए संभावनाएं विद्यमान हैं। उद्योग समूहों तथा निवेशकों को इससे अवगत कराने और राज्य सरकार की नीतियों के बारे में बताने के उद्देश्य से मुम्बई सहित कोयंबटूर, बैंगलुरू और कोलकाता में रोड-शो किए गए हैं। प्रदेश में निवेश के लिए कई उद्योग समूहों ने पहल की है।

रतलाम, झाबुआ और इन्दौर में फार्मा क्षेत्र की गतिविधियों के विस्तार के कार्य जारी–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेट्रो-केमिकल क्षेत्र में मध्यप्रदेश प्रगति करेगा। राज्य सरकार 'स्टेट ऑफ दी आर्ट पेट्रो-केमिकल इन्वेस्टमेंट रीजन' बनाने की योजना पर भी कार्य कर रही हैं। सीहोर-आष्टा एक प्रकार से देश का मध्य क्षेत्र है जहां विमानतल और रेल लाइन सहित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं विद्यमान हैं। रतलाम, झाबुआ और इन्दौर में भी फार्मा क्षेत्र में गतिविधियों के विस्तार के लिए कार्य किया जा रहा है।

केन्द्रीय मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने इंडिया केम - 2024 में किया मध्यप्रदेश का उल्लेख–केन्द्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने प्रदेश के बीना की भारत पेट्रोलियम पेट्रो-केमिकल परियोजना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पेट्रो-केमिकल, फार्मा, रसायन और उर्वरक क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए किए जा रहे प्रयासों से निवेश और रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्रम को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन-उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र रजनीकांत पटेल और ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी ने भी संबोधित किया। फिक्की के पदाधिकारियों और विभिन्न उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों ने भी इंडिया केम-2024 में अपने विचार रखे।

स्वास्थ्य विभाग में वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों के आदेशों की अवहेलना हो रही है

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला चिकित्सालय में व्याप्त भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विसंगतियाँ गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं। यशपाल सिंह राठौर, जो कि जिला चिकित्सालय का बाबू है, पर कई आरोप लग रहे हैं, विशेषकर खाद्य सुरक्षा प्रशासन में उसकी भूमिका को लेकर। मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) जीसी चौहान द्वारा यशपाल राठौर को कई विभागों का कार्यभार सौंपा गया है, क्या जिसमें खाद्य सुरक्षा प्रशासन भी शामिल है? हालांकि, यह बात सामने आई है कि यशपाल राठौर सेंपलिंग के दौरान अधिकारियों के साथ नहीं जाता, जबकि उसकी नियुक्ति इसी प्रशासन में की गई है या नहीं इसकी जानकारी किसी को नहीं है। इसके बावजूद, वह अधिकतर समय कार्यालय में ही बैठा रहता है और व्यापारियों से लाइसेंस और सेटलमेंट के नाम पर कथित रूप से रिश्वत वसूलता है।

नेमीचंद राठौर

भ्रष्टाचार के आरोप यशपाल राठौर तक सीमित नहीं है इसके साथ एक ओर दीगर व्यक्ति जयदीप पर भी है। जिला योजना समिति में प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के सामने भी जन प्रतिनिधियों ने यशपाल राठौर और जयदीप नामक व्यक्ति के भ्रष्टाचार के प्रमाण प्रस्तुत किए थे। बैठक में इनकी सात दिनों के भीतर जांच के आदेश देने के बाद भी, अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे यह शंका उत्पन्न होती है कि इस बाबू का प्रभाव इतना व्यापक है कि वह न सिर्फ प्रशासनिक अधिकारियों, बल्कि मंत्रियों पर भी भारी पड़ रहा है। मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग ने भी स्वास्थ्य विभाग की विसंगतियों पर संज्ञान लिया था और जिला चिकित्सालय का दौरा कर विभिन्न अनियमितताओं को देखा था। कलेक्टर ने अस्पताल के सिक्योरिटी गार्ड एजेंसी को निर्देश दिए थे कि ड्यूटी पर तैनात गार्डों के नाम और उनके मोबाइल नंबर बोर्ड पर लिखे जाएं, लेकिन दो महीने बीतने के बाद भी इन आदेशों का पालन नहीं हुआ। यह घटना स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य विभाग में वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों के आदेशों की अवहेलना हो रही है, और वहां वही कार्य हो रहे हैं, जो विभागीय अधिकारियों और बाबुओं की इच्छा से चलते हैं।

स्वास्थ्य विभाग में इस प्रकार के भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता ने जनता के विश्वास को बुरी तरह प्रभावित किया है। व्यापारियों से अवैध रूप से पैसे वसूलना और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अनदेखी करना इस बात का संकेत है कि इस विभाग में सुधार की बहुत आवश्यकता है। यशपाल राठौर जैसे बाबू, जो विभाग के अंदर अनैतिक गतिविधियों में लिप्त हैं, उन पर कठोर कार्रवाई होना आवश्यक है ताकि विभागीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। कुल मिलाकर, मंदसौर के स्वास्थ्य विभाग की यह स्थिति प्रशासनिक ढांचे की कमजोरी और भ्रष्टाचार के गहरे पैठने का प्रमाण है। यदि इस पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो यह न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को प्रभावित करेगा, बल्कि आम जनता का सरकारी संस्थाओं पर से विश्वास भी खत्म कर देगा।

अभा साहित्य परिषद की अमृत काव्य गोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की शरद पूर्णिमा के अवसर पर अमृत काव्य गोष्ठी पतंजलि जिला प्रभारी योग गुरू बंशीलाल टांक के मुख्य आतिथ्य, लता मंगेशकर शा. संगीत महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नरेन्द्र त्रिवेदी, दशपुर गौरव गान गायक एवं गीतकार नंदकिशोर राठौर, हास्य कवि नरेन्द्र भावसार, मुक्तक सम्राट सुरेन्द्र शर्मा (पहलवान), कवि नरेन्द्रसिंह राणावत कवि हरिश लक्कड, भजन गायक राजकुमार अग्रवाल, कलीम शाह के सानिध्य में सत्यनारायण मंदिर खानपुरा मंदसौर पर आयोजित की गई।

कवियों का स्वागत फकीरचन्द परिहार, सत्यनारायण सकवाया, घीसालाल गंगवाल, विनोद परिहार, आदित्य मारोठिया, ब्रजेश मारोठिया, महेश सेन ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए अ.भा. साहित्य परिषद के सचिव नंदकिशोर राठौर ने कहा कि वर्तमान समय में कवि सम्मेलनों में चुटकुले बाजी एवं फूहड़ तुकबंदी कविताओं के नाम से प्रसारित की जा रही है। साहित्य का सही स्वरूप तो काव्य गोष्ठियों में ही रह गया है। साहित्य के इस सही स्वरूप को समाज तक ले जाना ही साहित्य परिषद का उद्देश्य है। आज की काव्य गोष्ठी इसलिये सेन समाज के शरदोत्सव कार्यक्रम में मंदिर पर आयोजित की गई क्योंकि साहित्य की शुचिता का ध्यान साहित्यकारों की ही जिम्मेदारी है। काव्य गोष्ठी की शुरूवात सरस्वती वंदना से हुई। भजन गायक नरेन्द्रसिंह राणावत ने भजन म्हारा मालवा का नाथ पशुपतिनाथ गाकर पशुपतिनाथ की महिमा का बखान किया। कवि हरिश लक्कड ने कविता ये वो ही चन्द्रमा हैं जिसने देखा रास है प्रस्तुत की। सुरेन्द्र शर्मा (पहलवान) ने कुदरत का करिश्मा तो देखो, सब भूल भूलैया है गीत प्रस्तुत किया। नन्दकिशोर राठौर ने दुर्घटना में मृत मोरनी के लिये मोर के कृदन को महसूस करता हुआ गीत सुन मयूरी एकबार जरूरी गाकर श्रोताओं की आंखों को नम कर दिया। नरेन्द्र त्रिवेदी ने अपनी मधुर आवाज से गीत गाकर दाद बटोरी अंधकार के घने तिमिर में घना अंधेरा छाया है, सूरज चमका सुबह हो गई चलो सवेरा आया है । कलीम शाह ने राष्ट्रीय गीतों की प्रस्तुति दी। राजकुमार अग्रवाल ने भजनों की प्रस्तुति से सबको नाचने पर प्रेरित कर दिया। नरेन्द्र भावसार ने संचालन करते हुए हास्य कविता न स्कूल गया ना कॉलेज, इसलिये बहुत है नालेज सुनाकर दर्शकों को गुदगुदाया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पश्चात् अमृत तुल्य खीर प्रसादी ग्रहण की।

जोशी गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जरगौड ब्राह्मण महासभा के सत्र 2024 - 2029 के लिये हरिद्वार गौतम आश्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया नामांकन फार्म 15 अक्टुबर को जमा कराने के साथ शुरु हुई जिसमे दो फार्म ओमप्रकाश जी जोशी (जोधपुर) राजेश जी त्रिवेदी (उज्जैन) के द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी श्री सेवाराम जी सांखी के समक्ष अपने अपने समर्थको के साथ ढोल नंगाडो के साथ प्रस्तुत किये गये। महासभा के राजस्थान संगठन मंत्री योगेश शर्मा RO ने बताया कि ओम जी जोशी के समर्थन मे चित्तौडगढ से महासभा के राष्ट्रीय प्रभारी ओम उपाध्याय (रियायर्ड DYSP) राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कमलेश भट्ट के नेतृत्व मे निर्विरोध का आगाज लिए चित्तौडगढ से महासभा के पदाधिकारियो का एक विशेष समूह हरिद्वार पहुँचा वहाँ राजस्थान के साथ मध्य प्रदेश पंजाब हरियाणा महाराष्ट्र उत्तराखंड उत्तर प्रदेश से भी महासभा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी पहुंचे । समाज हित में मध्य प्रदेश के राजेश जी त्रिवेदी द्वारा ओमजी जोशी को अपना पूर्ण समर्थन देकर बिना किसी शर्त के अपना नामांकन वापस लिया नामांकन वापस करवाने में मारवाड मेवाड एवं मालवा की विशेष भूमिका रही।

भादवा माता ट्रस्ट अध्यक्ष कन्हैया लाल शर्मा मालवा के महेश पुरोहित के साथ जगदीश पुरोहित, बद्री लाल पुरोहित, ओम प्रकाश पुरोहित, हेमंत शर्मा पत्रकार , राधेश्याम तिवारी, सिंगोली M P से नंदकिशोर द्विवेदी, बाबू लाल शर्मा, कमल सुरतानिया, सहित मेवाड चित्तौडगढ महासभा जिलाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, महासभा से शिवदत्त व्यास, ओम प्रकाश जोशी, भेरूलाल शर्मा, शिव शंकर व्यास, मदन मोहन उपाध्याय, शिव शंकर शर्मा, सत्यनारायण जोशी, ओम शर्मा दुर्ग, कवि नवीन सारथी, भरत चाष्ठ, भरत रेलवे, नरेश दत्त व्यास, देवकिशन शर्मा, ललित शर्मा, योगेश शर्मा RO के विशेष समूह ने निर्विरोध चुनाव हेतु प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष भूमिका निभाई इस चुनाव को निर्विरोध करवा कर सामाजिक सोहार्द बनाने मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों प्रत्याशी ने एक दूसरे का मुह मिठा करा एक साथ महासभा मे कार्य करने का संकल्प लिया। । राष्ट्रीय प्रभारी ओम उपाध्याय के प्रण निर्विरोध चुनाव हेतु ओम जी जोशी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी साथ ही चित्तौडगढ दुर्ग कालिका माता आशीर्वाद लेने समाज मे देश मे खुशहाली की मानता हेतु ओम जोशी को आमंत्रित किया।

एमबीबीएस छात्रों के लिए फाउंडेशन कोर्स के अंतर्गत खेलकूद गतिविधियां सम्पन्न

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अधिष्ठाता डॉ शशि गांधी ने बताया किसुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस छात्रों के लिए खेलकूद गतिविधियों का आयोजन फाउंडेशन कोर्स के अंतर्गत किया गया। खेलकूद कार्यक्रम में छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें खो-खो, दौड़ और अन्य समूह खेल शामिल थे। इस दौरान जिला खेल अधिकारी श्री विजेन्द्र देवड़ा, श्री वैभव चौरसिया, डॉ. मिलिंद, श्री डी सौमित्र, डॉ. कार्तिक, डॉ राकेश, डॉ. रजनीश, डॉ. रंजन, डॉ. सचिन, डॉ. चारु, डा. श्वेता, डॉ अलका और डॉ दुर्गेश उपस्थित थे।

एक दूजे की लंबी उम्र के लिए 26 वर्षों से कर रहे है करवा चौथ का व्रत

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एक दूसरे की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत करते है बबीतासिंह तोमर एवं डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर।

पेशे से अभिभाषक एवं शहर कांग्रेस के अध्यक्ष है डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर तो वहीं वरिष्ठ समाजसेविका एवं जिला कांग्रेस की महामंत्री है बबीता सिंह तोमर । यह दोनों राजनीति, समाजसेवा, अपने अपने कार्यों के साथ परिवारजनों, मित्रों को भी पूरा समय देते है । हर पल सभी के सुख दुःख में भागीदारी भी करते है । यह सिलसिला पिछले 26 वर्षों से निरंतर जारी है । डॉ तोमर का कहना है कि हम दोनों सामजिक, राजनैतिक क्षेत्र में एक साथ कार्य करते है । बबीताजी प्रत्येक कार्य में कंधे से कन्धा मिलाकर मेरा साथ देती है। यह साथ ता उम्र बना रहे इसलिए मैं उनकी लंबी उम्र के लिए यह व्रत करता हूँ । बबीतासिंह तोमर ने कहा कि मुझे हौसला देने वाले मेरे जीवनसाथी राघवेंद्रजी है और आज हर क्षेत्र में मैं इतना सक्रियता से कार्य कर पाती हूँ तो इसके पीछे उनका योगदान है । वो मेरे लिए मैं उनके लिए पिछले 26 वर्षों से लगातार करवा चौथ का व्रत कर रहे है। यही नहीं यह दोनों कई बार अपने इस

व्रत के दौरान राजनैतिक एवं सामाजिक आयोजनों के साथ चुनाव के समय भी पूरी सक्रियता के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन भी करते है । इस दिन पूरा परिवार एवं मित्रगण भी इनका बेहद ध्यान रखते है ।

मंदसौर जिलाध्यक्ष बने राजेश चाहूजा

मंदसौर, 19 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एण्डसोशल जस्टिस ऑर्गेनाइजेशन कोर कमेटी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय प्रभारी श्री ईश्वर जोशी की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीरजसिंह अलवर द्वारा कमेटी के मंदसौर जिलाध्यक्ष पद पर राजेश चाहूजा को नियुक्त किया गया है।

इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एण्ड सोशल जस्टिस ऑर्गेनाइजेशन कोर कमेटी के मंदसौर जिलाध्यक्ष पद पर राजेश चाहूजा की नियुक्ति पर पदाधिकारियों एवं इष्टमित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

❊ उठावना ❊

मेरी एवं स्व. रामस्वरूप जी की भाभी व जयप्रकाश, जगदीश, दिलीप की माताजी राजमल, राधेश्याम, जगदीश, प्रहलाद, कैलाश,

जयप्रकाश, महेश, हरीश ,मनोहर ,सुनील, संदीप, कमल, कैलाश(के. सी.)पंकज, संजय, राजेश, ब्रजेश की ताई जी एवं सुयश, गर्वेश, तन्मय रचित ,निमित ,विराट की दादीजी श्रीमती रामेश्वरी देवी धर्मपत्नी स्व. भगवान दास जी गर्ग का स्वर्गवास दिनांक-18 अक्टूबर को हो गया था जिनका उठावना दिनांक 20अक्टूबर रविवार 2024 को हाटकेश्वर मांगलिक भवन (पारखो की बगीची) नर्सिगपूरा श्रीजी पार्क के पास समय - सुबह 11 बजे में रखा गया है।

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
सूरजमल गर्ग एवं समस्त गर्ग केडिया परिवार मंदसौर

❊❊ नाम परिवर्तन सूचना ❊❊

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व में नाम BURHANUDDIN TIMBER S/o MULLA TALIB HUSAIN था। मैने अपना नाम परिवर्तन कर नवीन नाम BURHANUDDIN BURHANI S/o MULLA TALIB HUSAIN रख लिया है एवं समस्त दस्तावेजों में नवीन नाम BURHANUDDIN BURHANI S/o MULLA TALIB HUSAIN दर्ज करवा लिया है। मुझे मेरे नए नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

BURHANUDDIN BURHANI S/o MULLA TALIB HUSAIN
तहसील रोड, सुवासरा, जिला-मंदसौर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण -सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी किटीयानी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.I-395 **श्री गोपाल गर्ग पिता श्री कन्हैयालाल गर्ग को आवंटित किया गया था। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 31.05.2006 उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्री गोपाल गर्ग पिता श्री कन्हैयालाल गर्ग द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती कमला पति श्री मनोहरलाल पाटीदार को कर विक्रय पत्र दिनांक 03.07.2006 को पंजीबद्ध करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती कमला पति श्री मनोहरलाल पाटीदार अपने नाम करवाना चाहती है।**

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामांतरण श्रीमती कमला पति श्री मनोहरलाल पाटीदार के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)

वाहन चोरी में लिप्त दो आरोपी... पेज 1 से जारी

है तथा दुसरे व्यक्ति का हुलिया कद ठिगना गुलाबी रंग की टीशर्ट पहने है जिसके पास स्कुटी क्रमांक MP 43 DQ 8432 है। उक्त सुचना पर थाना प्रभारी स्टेशन रोड रतलाम के मार्ग दर्शन द्वारा स्टेशन रोड पुलिस रतलाम द्वारा दो लड़को को मय स्कुटी के घेरा बंदी कर पकडा तथा चोरी की शंका सुजल पिता राधेश्याम मावर निवासी सुभास नगर से स्कुटी क्रमांक MP 43 DQ 8432 जिसका इंजन नम्बर JF50E81032967 तथा चेविस नम्बर ME4JF502 DE 803184 है किमती करीब 50000/- रुपये की तथा आरोपी संदेही राधे पिता सनी जाति मेवाडा उम्र 19 साल निवासी हाट की चौकी के पीछे खाटीक मोहल्ला स्तलाम के कब्जे से ग्रे कलर की स्कुटी क्रमांक MP 43 MH 5485 जिसका इजन नम्बर JC44E0697903 तथा ME4JC445EA 8442256 है किमती करीब 50000/- जप्त की गई। विवेचना के दोरान ज्ञात हुआ कि स्कुटी क्रमांक MP 43 DQ 8432 दिनांक 16.10.2024 को फुल मंडी के पास रतलाम तथा स्कुटी क्रमांक MP 43 MH 5485 बजाज खाना रतलाम से चोरी हुई थी। आरोपी गणो ने पुछताछ के दोरान अपने साथी करण उर्फ किट्टु तथा श्रवण के साथ स्कुटी चोरी करने की घटना करना स्वीकार किया गया है।

वाहन चोरो को पकडने में निरीक्षक राजेन्द्र कुमार वर्मा, स.उप. निरी. बबलू डागा, प्र.आर. महेन्द्र सिह, आरक्षक राकेश निनामा, आरक्षक राहुल की सराहनीय भुमिका रही।

कार्यालय पंजीयन प्राधिकरण एवं जिला परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक- मंदसौर, दिनांक-

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन खत्री पिता रामप्रसाद खत्री जनता कालोनी, मंदसौर आधार कार्ड के अनुसार मेरे पिताजी का नाम ड्रायविंग लायसेंस में परिवर्तन करवाना चाहता हूं।

इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो तो वो विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा व नाम परिवर्तन कर दिया जावेगा।

गलत नाम	सही नाम
RAM PRASAD JI	RAM PRASAD KHATRI

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-मंदसौर

Email ID-eeresmandsaur@mp.gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-09/2024-25

जावक क्रमांक/1386/ग्रा.यां.से./वलेलि/निविदा/2024-25 मंदसौर, दिनांक-14.10.2024

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स.क्रं.	ऑनलाईन टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निर्माण कार्यो की अनुमानित (राशि रुपए में)	निविदा आमंत्रण क्रमांक	रिमार्क
1	2024_RES_376173	1. शासकीय हाईस्कूल बघुनिया में अतिरिक्त कक्ष निर्माण जनपद पंचायत गरोठ 2. शासकीय हाईस्कूल बघुनिया में खेल मैदान निर्माण जनपद पंचायत गरोठ	1603744	प्रथम	---
2	2024_RES_376174	1. शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल मोतीपुरा अतिरिक्त कक्ष निर्माण, जनपद पंचायत सीतामऊ 2. शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल मोतीपुरा खेल मैदान निर्माण (बास्केटबाल), जनपद पंचायत सीतामऊ	1603493	प्रथम	---
3	2024_RES_376175	1. शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल हतुनिया में अटल ट्रिकरिंग लेब हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण ,ज. पं. गरोठ 2. शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल हतुनिया में खेल मैदान निर्माण, जनपद पंचायत गरोठ	1598409	प्रथम	---
4	2024_RES_376176	1. शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कुचड़ोद ज.पं. मंदसौर में अटल ट्रिकरिंग लेब हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण 2. शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कुचड़ोद में खेल मैदान निर्माण, जनपद पंचायत मंदसौर	1598372	प्रथम	---
5	2024_RES_376177	शासकीय हाईस्कूल झावल में खेल मैदान निर्माण, जनपद पंचायत मंदसौर	408038	प्रथम	---
6	2024_RES_376178	शासकीय हाईस्कूल अजयपुर में खेल मैदान निर्माण, जनपद पंचायत सीतामऊ	408268	प्रथम	---
7	2024_RES_376179	शासकीय कन्या हाई स्कूल बुढ़ा में खेल मैदान निर्माण जनपद पंचायत मल्हारगढ़	408268	प्रथम	---
8	2024_RES_376180	माध्यमिक विद्यालय कंवला में खेल मैदान निर्माण जनपद पंचायत भानपुरा	408268	प्रथम	---
9	2024_RES_376181	उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में कूप निर्माण (बहादरी फार्म पर)	1456254	प्रथम	---

उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र पोर्टल पर दिनांक 17.10.2024 से देखे जा सकेंगे। विस्तृत सूचना Key Dates तथा अन्य जानकारी वेबसाईड पर देखी जा सकती है। निविदा संबंधी समस्त संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किये जावेंगे। केवल वेबसाईट पर देखे जा सकेंगे।

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मंदसौर

G-17865/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in